

श्री राम मेरे घर आएंगे | Mukesh Bagda

श्री राम मेरे घर आएंगे
आएंगे प्रभु आएंगे
मेरे राम मेरे घर आएंगे
आएंगे प्रभु आएंगे
भीलनी को भारी आस है
और मन में ये विश्वास है
राम मेरे घर आएंगे.....

अंगना रस्ता रोज़ बुहार रही
खड़ी खड़ी वो राह निहार रही
घबरा रही संकुचा रही
भीलनी के मन में चाव है
और मन में मिलन का भाव है
राम मेरे घर आएंगे.....

ना जानू सेवा पूजा की रीत
क्या सोचेंगे मेरे मन के मीत
शरमा रही घबरा रही
वो भोली भाली नार है
प्रभु को भोलों से प्यार है
राम मेरे घर आएंगे.....

चुन चुन लाइ खट्टे मीठे बेर
खाने में प्रभु क्यूँ करते हो देर
प्रभु खा रहे मुस्का रहे
प्रभु के चरणों में गिर पड़ी
और आंसुओं की लागी झड़ी
राम मेरे घर आएंगे.....

प्रभु तुमरे खातिर अटक रहे थे प्राण
मुक्ति देदो मुझको कृपा निधान
मन में लगन भीलनी मगन
भीलनी से बोले राम हैं
जा खुला तेरे लिए धाम है
राम मेरे घर आएंगे.....

जो कोई ढूँढे प्रभु को दिन और रात
उसे ढूँढते एक दिन दीनानाथ
तुम ठान लो और मान लो
बिन्नु ये निश्चय जान लो
श्री राम को अपना मान लो
राम मेरे घर आएंगे.....
श्री राम मेरे घर आएंगे.....

[%e0%a4%86%e0%a4%8f%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a5%87-mukesh-bagda/](#)